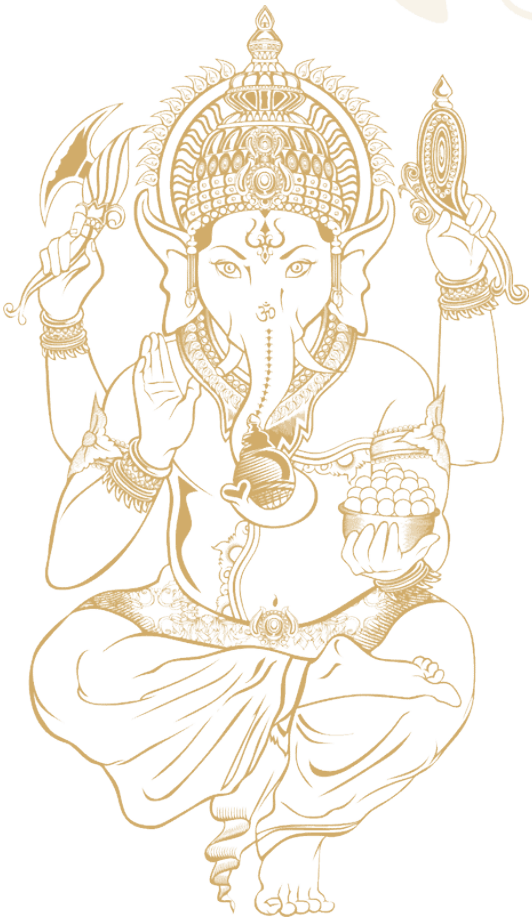

Mr. Rajendra singh

Ms. Pratibha

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120590001

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120590001 Date: 17/12/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10-11/08/1997	जन्म तिथि	4-05/07/1997
रवि-सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 04:30:00	जन्म समय	06:00:00 घंटे
घटी 55:30:56	जन्म समय(घटी)	59:47:37 घटी
India	देश	India
Thane	स्थान	Chitorgarh
19:12:00 उत्तर	अक्षांश	24:53:00 उत्तर
72:58:00 पूर्व	रेखांश	74:38:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:38:08	स्थानिक संस्कार	-00:31:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:17:37	सूर्योदय	05:47:05
19:08:20	सूर्यास्त	19:24:45
23:49:23	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:19
मिथुन	लग्न	मिथुन
बुध	लग्न लग्नाधिपति	बुध
तुला	राशि	मिथुन
शुक्र	राशि-स्वामी	बुध
स्वाति	नक्षत्र	पुनर्वसु
राहु	नक्षत्र स्वामी	गुरु
4	चरण	1
शुक्ल	योग	व्याघात
वणिज	करण	किंस्तुघ्न
ता-तरुण	जन्म नामाक्षर	के-केसरी
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क
शूद्र	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
महिष	योनि	मार्जार
देव	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
सर्प	वर्ग	मार्जार

Gayatri jyotish karyalaya
Sojat Road, Rajasthan 306103, India
9799364202, 9929276521
rakeshvyas1988@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि		ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 2वर्ष 9मा 2दि		29:35:39	मिथु		लग्न		मिथु	21:12:18	गुरु 13वर्ष 6मा 14दि	
शनि		24:30:33	कर्क		सूर्य		मिथु	19:13:05	शनि	
13/05/2016		17:57:31	तुला		चंद्र		मिथु	22:03:04	18/01/2011	
14/05/2035		04:05:58	तुला		मंगल		कन्या	13:30:58	18/01/2030	
शनि	17/05/2019	20:25:16	सिंह		बुध		मिथु	29:55:02	शनि	21/01/2014
बुध	24/01/2022	22:59:43	मक	व	गुरु	व	मक	27:08:33	बुध	30/09/2016
केतु	05/03/2023	28:15:33	सिंह		शुक्र		कर्क	13:45:49	केतु	09/11/2017
शुक्र	05/05/2026	26:27:49	मीन	व	शनि		मीन	25:53:23	शुक्र	08/01/2021
सूर्य	17/04/2027	26:18:53	सिंह		राहु	व	सिंह	28:22:25	सूर्य	21/12/2021
चन्द्र	15/11/2028	26:18:53	कुंभ		केतु	व	कुंभ	28:22:25	चन्द्र	22/07/2023
मंगल	25/12/2029	12:23:33	मक	व	हर्ष	व	मक	13:49:28	मंगल	30/08/2024
राहु	31/10/2032	04:12:00	मक	व	नेप	व	मक	05:10:47	राहु	07/07/2027
गुरु	14/05/2035	09:00:23	वृश्चि	व	प्लूटो	व	वृश्चि	09:24:28	गुरु	18/01/2030

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:49:23 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:19

लग्न-चलित

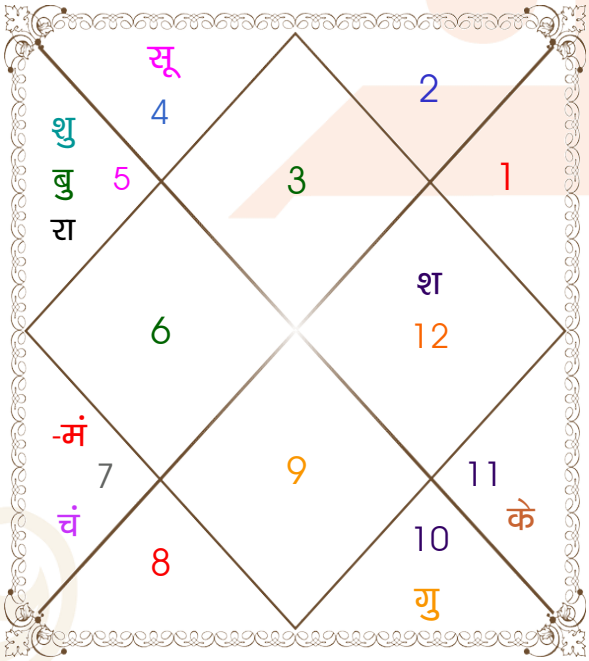

लग्न-चलित

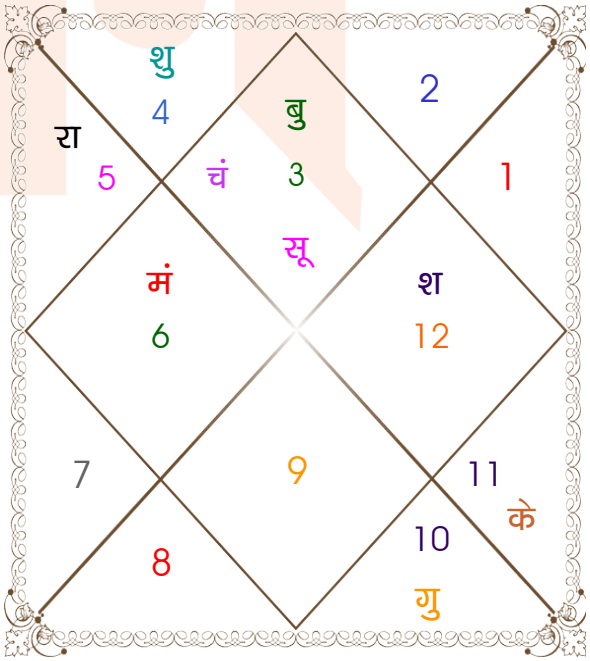

Gayatri jyotish karyalaya
Sojat Road, Rajasthan 306103, India
9799364202, 9929276521
rakeshvyas1988@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

कुल : **27 / 36**

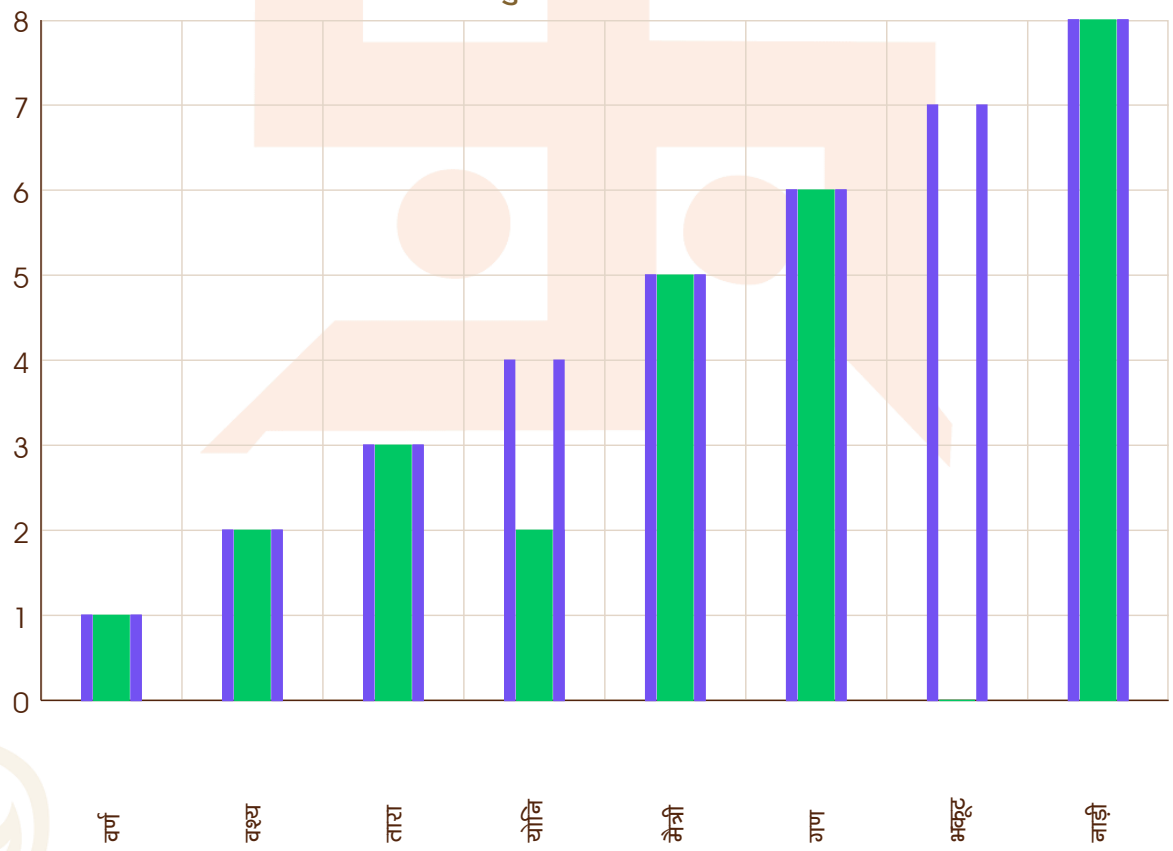

Gayatri jyotish karyalaya
Sojat Road, Rajasthan 306103, India
9799364202, 9929276521
rakeshvyas1988@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. Rajendra singh का वर्ग सर्प है तथा डेण च्तंजपईं का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. Rajendra singh और डेण च्तंजपईं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. Rajendra singh मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

डेण च्तंजपईं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. Rajendra singh कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. Rajendra singh तथा डेण च्तंजपईं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr. Rajendra singh का वर्ण शूद्र है तथा डेण च्तंजपईं का वर्ण भी शूद्र है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों के स्वभाव, व्यवहार, दृष्टिकोण, पसन्द-नापसन्द में समानता रहेगी। साथ ही दोनों में इतना प्रेम होगा कि लगेगा कि दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों। दोनों के बीच गहरा प्रेम, सद्भाव, साहचर्य एवं पारस्परिक समझ बनी रहेगी। दोनों घर की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को उन्नत एवं सुदृढ़ बनाने के लिए साथ मिलकर कार्य करते रहेंगे।

वश्य

Mr. Rajendra singh का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं डेण च्तंजपईं का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। Mr. Rajendra singh एवं डेण च्तंजपईं दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

Mr. Rajendra singh की तारा अतिमित्र तथा डेण च्तंजपईं की तारा सम्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। Mr. Rajendra singh हमेशा डेण च्तंजपईं के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

योनि

Mr. Rajendra singh की योनि महिष है तथा डेण च्तंजपईं की योनि मार्जार है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव

भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr. Rajendra singh एवं डेण च्तंजपईं दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Mr. Rajendra singh एवं डेण च्तंजपईं के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Mr. Rajendra singh एवं डेण च्तंजपईं जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Mr. Rajendra singh का गण देव तथा डेण च्तंजपईं का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

Mr. Rajendra singh से डेण च्तंजपईं की राशि नवम भाव में स्थित है तथा डेण च्तंजपईं से Mr. Rajendra singh की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। Mr. Rajendra singh की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो सकती है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

नाड़ी

Mr. Rajendra singh की नाड़ी अन्त्य है तथा डेण च्तंजपईं की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। Mr. Rajendra singh की अन्त्य नाड़ी तथा डेण च्तंजपईं की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr. Rajendra singh की जन्म राशि वायुतत्व युक्त तुला तथा डेण च्तंजपईं की राशि वायुतत्व युक्त मिथुन है। अतः इसके प्रभाव से Mr. Rajendra singh और डेण च्तंजपईं के मध्य स्वभावगत समानताएं विद्यमान रहेंगी फलतः परस्पर संबधों में मधुरता होगी एवं वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

Mr. Rajendra singh की जन्म राशि का स्वामी शुक्र तथा डेण च्तंजपईं की राशि का स्वामी बुध परस्पर मित्र राशियों में स्थित है सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति उत्तम मानी गई है। इसके प्रभाव से Mr. Rajendra singh और डेण च्तंजपईं का परस्पर स्नेह सहयोग एवं समर्पण का भाव रहेगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को सहयोग प्रदान करने में तत्पर होंगे। वे एक सच्चे मित्र की तरह एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे इससे Mr. Rajendra singh और डेण च्तंजपईं का दाम्पत्य जीवन सुख एवं शांति पूर्वक व्यतीत होगा।

Mr. Rajendra singh और डेण च्तंजपईं की राशियां परस्पर नवम एवं पंचम भाव में पड़ती है शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ फलों में न्यूनता आएगी तथा यदा कदा परस्पर संबधों में अनावश्यक वैमनस्य तथा विरोध का भाव भी परिलक्षित होगा। साथ ही परस्पर अंहकार की भावना की प्रबलता रहेगी जिससे सुखी वैवाहिक जीवन व्यतीत करने में परेशानी की अनुभूति करेंगे। यदि संयम एवं बुद्धिमता पूर्वक उपरोक्त भावों की उपेक्षा करें तो Mr. Rajendra singh और डेण च्तंजपईं का वैवाहिक जीवन सुखमय हो सकता है।

Mr. Rajendra singh और डेण च्तंजपईं दोनों का वश्य मानव है। इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी अनुकूलता रहेगी। अतः दाम्पत्य संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे।

Mr. Rajendra singh और डेण च्तंजपईं दोनों का वर्ण शूद्र है। अतः इनकी कार्य क्षमता में समानता रहेगी तथा अपने कार्यो को बिना किसी वरीयता के ईमानदारी एवं परिश्रम पूर्वक सम्पन्न करने में समर्थ रहेंगे। फलतः Mr. Rajendra singh और डेण च्तंजपईं का कार्य क्षेत्र सुदृढ़ रहेगा।

धन

Mr. Rajendra singh का जन्म अतिमित्र तथा डेण च्तंजपईं का सम्पत नामक तारा में हुआ है। इसके प्रभाव से डेण च्तंजपईं एक धनवान तथा भाग्यशाली महिला होंगी तथा डेण च्तंजपईं के शुभ प्रभाव से उनकी आर्थिक स्थिति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर सम रहेगा। अतः स्वपरिश्रम से ही इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने

में समर्थ रहेंगे। साथ ही मंगल का भी कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार Mr. Rajendra singh और डेण च्तंजपईं आरामदायक जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

Mr. Rajendra singh और डेण च्तंजपईं को लाटरी, सट्टे या अन्य स्रोतों से अनायास धन प्राप्ति की संभावना होगी। साथ ही विभिन्न प्रकार के भौतिक संसाधनों का वे उपभोग करने में सफलता प्राप्त करेंगे। इसके अतिरक्त वे जायदाद तथा आभूषण आदि को भी अर्जित करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

Mr. Rajendra singh का जन्म अन्त्य तथा डेण च्तंजपईं का जन्म आद्य नाड़ी में हुआ है। अतः स्वास्थ्य पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। परन्तु मंगल का दुष्प्रभाव Mr. Rajendra singh को समय समय पर न्यूनाधिक रूप से होता रहेगा। इसके प्रभाव से Mr. Rajendra singh हृदय संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं रक्त तथा पित संबंधी रोगों से भी पर कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही धातु या मूत्र रोग संबंधी परेशानी की भी संभावना होगी। अतः इसके दुष्प्रभाव से बचने के लिए Mr. Rajendra singh को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी रखने चाहिए। इससे उपरोकत अशुभ प्रभावों में कमी होगी तथा शुभ प्रभावों की प्राप्ति करने में समर्थ रहेंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Mr. Rajendra singh और डेण च्तंजपईं को उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगा तथा कन्या संतति की अपेक्षा पुत्र संतति अधिक रहेगी।

प्रसव संबंधी कष्ट के लिए आप को किसी भी प्रकार की चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है। इनका प्रसव सामान्य रूप से सम्पन्न होगा तथा इससे संबधित कोई भी समस्या नहीं होगी। डेण च्तंजपईं सुदंर एवं स्वस्थ बच्चों को जन्म देंगी तथा स्वयं भी पूर्ण रूपेण स्वस्थता की अनुभूति करेंगी। इससे Mr. Rajendra singh और उसके परिवार के सभी सदस्य प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

Mr. Rajendra singh और डेण च्तंजपईं की संततियां व्यवहारकुशल एवं माता पिता के लिए आज्ञाकारी रहेंगी तथा अपने बच्चों की प्रगति से दोनों सन्तुष्टि एवं आनंद की अनुभूति करेंगे। साथ ही कार्य क्षेत्र में भी वे स्वपरिश्रम योग्यता एवं बुद्धिमत्ता से उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगे। उनके उत्कृष्ट कार्य कलापों से Mr. Rajendra singh और डेण च्तंजपईं अपने आप को भाग्यशाली समझेंगे। इनकी संततियां कभी भी उनकी इच्छा के विपरीत कोई भी कार्य नहीं करेंगी जिससे माता पिता को उन पर गर्व रहेगा। इस प्रकार सुदंर, आज्ञाकारी एवं बुद्धिमान संतति से युक्त होकर Mr. Rajendra singh और डेण च्तंजपईं का पारिवारिक जीवन सुख शांति एवं आनंद से व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

डेण च्तंजपईं के अपने सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे तथा सास भी उसके विनम्र स्वभाव, मधुरवाणी तथा गृहणी के रूप में उससे पूर्ण प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगी। डेण च्तंजपईं भी अपनी सास को माता के समान व्यवहार एवं सम्मान प्रदान करेंगी तथा किसी भी गम्भीर समस्या का परस्पर सामंजस्य से समाधान करने में समर्थ रहेंगी।

साथ ही उसके ससुर भी उनकी सेवा तथा आदर के भाव से प्रसन्न रहेंगे तथा डेण च्तंजपईं भी अपनी ओर से उनकी सेवा सुश्रूषा करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से उन्हें यथोचित सम्मान तथा सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनकी प्रतिद्वन्दिता का भाव परस्पर दूरी बनाए रखेगा।

इसके अतिरिक्त सास ससुर का डेण च्तंजपईं को ससुराल में पूर्ण स्नेह तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा वे सच्चे मन से उसे अपने परिवार में स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Mr. Rajendra singh के अपनी सास से सामान्य संबध रहेंगे। वह अपनी ओर से उन्हें पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा के प्रति भी तत्पर रहेंगे। इनके मध्य कोई विशेष मतभेद नहीं रहेंगे तथा Mr. Rajendra singh अवसरानुकूल सपत्नीक से मिलने जाया करेंगे जिससे संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी।

ससुर के प्रति भी Mr. Rajendra singh का आदर तथा सेवा का भाव रहेगा तथा वे भी इनको पूर्ण स्नेह तथा सहानुभूति प्रदान करेंगे साथ ही ससुर भी समय समय पर महत्वपूर्ण मामलों में Mr. Rajendra singh का दिग्दर्शन करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों के साथ संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मतभेद एवं तनाव की बहुलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति प्रतिद्वन्दिता तथा ईर्ष्या का भी भाव रहेगा। लेकिन यदि Mr. Rajendra singh तथा वे आपस में सामंजस्य रखें तो संबधों में अनुकूलता आ सकती है। इस प्रकार ससुराल में Mr. Rajendra singh के संबध सामान्यतया अच्छे ही रहेंगे।